

सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : वी.ए. प्रथम वर्ष	वर्ष: 2021	सत्र: 2021-22
विषय: संस्कृत			
1	पाठ्यक्रम का कोड	AI-SANSIT	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	वेद और व्याकरण (प्रश्न पत्र 1)	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक/इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर्स कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय ..... अध्ययन कक्षा/12वीं/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो। ..... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है:- सभी के लिए उपलब्ध (Open For all)	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. विश्व की धरोहर के रूप में घोषित ऋग्वेद सहित संपूर्ण वैदिक साहित्य की ज्ञान महिमा से छात्र लाभान्वित होंगे।</li> <li>2. व्याकरण के माध्यम से संस्कृत भाषा साहित्य की संरचना की समझ में महायक।</li> <li>3. छात्र में संस्कृत लेखन और अनुवाद की कला का विकास होगा।</li> <li>4. छात्र के धार्मिक और आध्यात्मिक व मनोवैज्ञानिक विकास में महयोगी सिद्ध होगा।</li> <li>5. प्रकृति और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणा मिलेगी।</li> <li>6. प्राचीन देवताओं और यज्ञ विधाओं से छात्र सुपरिचित हो सकेगा।</li> <li>7. पृथिवी की महिमा से अवगत होकर छात्र में पृथ्वी माना के प्रति समर्पण की भावना विकसित होगी।</li> <li>8. वाक्य निर्माण व प्रयोग का ज्ञान।</li> <li>9. संस्कृत भाषा में अनुवाद कला एवं सम्भाषण कौशल का विकास होगा।</li> </ol>	
6	क्रेडिट मान	06	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33

भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): L-T-P:- 03

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
I	<ol style="list-style-type: none"> <li>i. संस्कृत भाषा का परिचय : संस्कृत भाषा का स्वरूप एवं महत्त्व, वैदिक संस्कृत एवं लौकिक संस्कृत का परिचय एवं विशिष्टताएं।</li> <li>ii. वेद : स्वरूप, लक्षण, भेद, अपौरुषेयता, रचनाकाल।</li> <li>iii. वैदिक साहित्य : मंहिता, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् एवं वेदाङ्गों का सामान्य परिचय।</li> <li>iv. प्रसिद्ध वेद भाष्यकारों का परिचय : मायण, महीधर, उब्वट, दयानंद सरस्वती।</li> </ol>	15

II	वैदिक सूक्त : व्याख्या, ममीक्षा एवं व्याकरणिक टिप्पणियां। i. ऋग्वेद- अग्निसूक्त 1.1 । ii. यजुर्वेद- शिवसंकल्प सूक्त XXXIV । iii. अथर्ववेद- पृथिवी सूक्त - काण्ड -12, सूक्त -1 (1-5 मंत्र) ।	15
III	शब्दरूप, धातुरूप एवं लकार - i. शब्दरूप - गम, कवि, भान्, पितृ, लता, नदी, वधू, मातृ, फल, वारि, आत्मन्, वाक्, सर्व, तत्, यत्, इदम्, अस्मत् तथा युष्मत्। ii. धातुरूप - पठ्, भू, कृ, अम्, रूध्, क्री, चूर् तथा मेव् । iii. लकार परिचय - (केवल पांच लकार) लट्, लोट्, विधिलिङ्, लङ्, एवं लृट् ।	15
IV	लघुसिद्धान्तकौमुदी (संज्ञा, मन्धि एवं विभक्ति प्रकरण) सूत्रों की व्याख्या एवं प्रयोग	15
V	(अ) संस्कृत सम्भाषण एवं अनुवाद कौशल i. संस्कृत सम्भाषण: आत्मपरिचय, विभक्ति प्रयोग, सर्वनाम शब्दों का प्रयोग (तत्, एतत्, किम् यत्- तीनों लिङ्.गो एवं तीनों वचनों में) । अव्यय प्रयोग (अत्र, यत्र-तत्र, कुत्र, सर्वत्र, अन्यत्र, एकत्र, आम्, न, अद्य, श्वः, ह्यः परश्वः परह्यः, इदानीम्, पुरतः पृष्ठतः, वामतः, दक्षिणतः, उपरि, अधः, सम्यक्, अपि च, अतः, एवम्, इति, यदि-तर्हि, यथा-तथा, यदा-तदा, कदा, कति, किम्, कुतः, कथम्, किमर्थम्, खलु। ii. कृदन्त प्रत्यय- क्त्वा, ल्यप्, तुमुन्, क्त, क्तवतु- प्रत्ययों का प्रयोग iii. सङ्ख्या- एकतः शतं यावत्। (ब) अनुवाद कौशल संस्कृत सम्भाषण एवं अनुवाद पर आधारित परियोजना कार्य/मौखिकी परीक्षा के आधार पर मूल्यांकन।	30

सार बिंदु (की वर्ड) टैग : वेद, संज्ञा, मन्धि, कारक, अनुवाद, अव्यय, सम्भाषण।

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

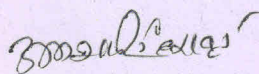
पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

पाठ्य पुस्तक- त्रयी- म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

- 1 झा, तारिणीश- "ऋक्सूक्त संग्रह", प्रकाशन केन्द्र, रेलवे क्रामिंग, सीतापुर रोड, लखनऊ, 126007
- 2 मिश्र, डा. यदुनंदन- "वेद संचयनम्", चौखंभा विद्याभवन वाराणसी 1990
- 3 शास्त्री, चारूदेव- "वागव्यवहारादर्श", मोतीलाल बनारसी दाम, वाराणसी, 1970
- 4 आचार्य, डा. रामकृष्ण- "ऋक् सूक्त समुच्चय", विनोद पुस्तक मंदिर आगरा, 1983
- 5 कुशवाहा, महेश सिंह- "लघु सिद्धान्त कौमुदी", चौखंभा, मुरभारती वाराणसी, 1995
- 6 चैधरी, रामविलास- "लघु सिद्धान्त कौमुदी", मोतीलाल बनारसी दाम, वाराणसी, 2013
- 7 द्विवेदी, आचार्य कपिलदेव- "प्रौढ रचनानुवाद कौमुदी", वि.वि.प्रकाशन वाराणसी, 2004
- 8 त्रिपाठी, ब्रह्मानन्द- "अनुवाद चंद्रिका", वि.वि.प्रकाशन वाराणसी, 2001
- 9 गोविन्दाचार्य- "लघु सिद्धान्त कौमुदी", चौखंभा, मुरभारती वाराणसी





- 10 शास्त्री, डा. हरिदत्त- "ऋक्सूक्त संग्रह", साहित्य भण्डार, मेरठ, 1980
- 11 उपाध्याय, आचार्य बलदेव- "वैदिक साहित्य का इतिहास", शारदा संस्थानम्, दुर्गा कुंज, वाराणसी
- 12 त्रिपाठी, ब्रह्मानन्द- "रूप चंद्रिका", विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी, 2013
- 13 द्विवेदी, आचार्य कपिलदेव- "संस्कृत साहित्य का समीक्षान्मक इतिहास", रामनारायण लाल विजय कुमार, 2 कटरा रोड इलाहाबाद, 2013
- 14 "भाषा प्रवेशः", प्रथम एवं द्वितीय भाग, प्रकाशन- संस्कृत भारती, नई दिल्ली।
- 15 "विभक्तिवल्लरी", प्रकाशन- संस्कृत भारती, नई दिल्ली।

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक- ई-सोर्सस. ईपीजी पाठशाला संस्कृत, ई-पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, [swayam.gov.in](http://swayam.gov.in)

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:- शास्त्री

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material, B.A. Sanskrit Kota Vishwavidyalaya, Kota

#### भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वागव्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन:	क्लाम टेस्ट	15
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	10
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	कुल अंक :25
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)	03 x 03 = 09
समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	04 x 09 = 36
		02 x 15 = 30
		कुल अंक 75

कोई टिप्पणी/सुझाव:

*[Handwritten signature]*

*[Handwritten signature]*

*[Handwritten signature]*  
(Prof. K. P. Pandey)

## सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम हेतु प्रारूप

भाग अ - परिचय			
कार्यक्रम: प्रमाण पत्र	कक्षा : बी.ए. प्रथम वर्ष	वर्ष: 2021	सत्र: 2021-22
विषय: संस्कृत			
1	पाठ्यक्रम का कोड	<b>A1-SANS2T</b>	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	<b>आर्ष काव्य एवं लौकिक काव्य (प्रश्न पत्र 2)</b>	
3	पाठ्यक्रम का प्रकार :(कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल/.....)	कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite) (यदि कोई हो)	इस कोर्स का अध्ययन करने के लिए, छात्र ने विषय ..... अध्ययन कक्षा/12वीं/प्रमाण पत्र/डिप्लोमा में किया हो। ..... इस पाठ्यक्रम को निम्नलिखित विषयों के छात्रों द्वारा एक वैकल्पिक विषय के रूप में चुना जा सकता है:- सभी के लिए उपलब्ध ( <b>Open For all</b> )	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियां (कोर्स लर्निंग आउटकम) (CLO)	<ol style="list-style-type: none"> <li>1. नैतिक मूल्यों के विकास में सहायक।</li> <li>2. रामायण की सार्वकालिक व सार्वजनिक उपादेयता के साथ राष्ट्र निर्माण में सहायक।</li> <li>3. भारतीय संस्कृति के अवबोध एवं महापुरुषों के आदर्श से छात्रों को परिचित कराना।</li> <li>4. प्राचीन सामाजिक संरचना एवं उत्कृष्ट समाज का ज्ञान।</li> <li>5. रंग मंचीय कौशल के विकास व लेखन की कला की दृष्टि से उपादेय।</li> <li>6. छात्र में कथा लेखन की शैली का विकास।</li> <li>7. उपदेशात्मक काव्य से नैतिक मूल्यों का विकास।</li> </ol>	
6	क्रेडिट मान	<b>06</b>	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक: 25+75	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 33
भाग ब- पाठ्यक्रम की विषयवस्तु			
व्याख्यान की कुल संख्या-ट्यूटोरियल- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में): <b>L-T-P: - 03</b>			
इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या	
I	वाल्मीकि रामायण- बालकाण्ड-प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण) पठितांश से व्याख्या तथा वाल्मीकि रामायण के सामान्य परिचय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न।	15	
II	महाभारत- शान्ति पर्व अध्याय-192, पठितांश से व्याख्या तथा महाभारत के सामान्य परिचय संबंधी समीक्षात्मक प्रश्न।	15	
III	रघुवंशम्- प्रथम सर्ग (सम्पूर्ण)-पठितांश से व्याख्या तथा रघुवंश महाकाव्य के सामान्य परिचय से संबंधित समालोचनात्मक प्रश्न।	15	
IV	स्वप्नवासवदत्तम्- प्रथम से तृतीय अंक- पठितांश से व्याख्या तथा सम्पूर्ण नाटक पर	15	

*[Handwritten Signature]*

*[Handwritten Signature]*

V	हितोपदेश- (अ) मित्रलाभ- पठितांश पर आधारित उपदेशात्मक प्रश्न । (ब) नीतिशतकम्- (1 से 50 पद्य) अनुवाद/प्रश्न	30
---	---	----

सार बिंदु (की बडे)/टैग: आर्षकाव्य, महाकाव्य, रूपक, जीवन मूल्य

भाग स- अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

पाठ्य पुस्तक- त्रयी - म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल

अनुशंसित सहायक पुस्तकें /ग्रन्थ/अन्य पाठ्य संसाधन/पाठ्य सामग्री:

1. दवे डा. समीक्षा- "वाल्मीकि रामायण" बाल काण्ड, महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा
2. "महाभारत-शान्तिपर्व", सम्पादक- गीता प्रेस गोरखपुर, उत्तरप्रदेश
3. त्रिपाठी डा. कृष्ण मणि- "रघुवंशम्"- प्रथम सर्ग, चौखंभा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012
4. शर्मा रेग्मी पंडित शेषराज- "रघुवंशम्"- प्रथम सर्ग, चौखंभा, संस्कृत संस्थान, वाराणसी, 2009
5. झा डा. तारिणीश- "स्वप्नवासवदत्तम्", रामनारायण वैनीमाधव इलाहाबाद 1973
6. चतुर्वेदी वासुदेव कृष्ण- "स्वप्नवासवदत्तम्", महालक्ष्मी प्रकाशन आगरा
7. नारायण पंडित- "हितोपदेश मित्रलाभ", धर्म नीराजना प्रकाशन दिल्ली 2004
8. उपाध्याय आचार्य बलदेव, "संस्कृत सुकवि समीक्षा", शारदा प्रकाशन, वाराणसी।
9. त्रिपाठी डा. राधावल्लभ- "संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास", वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी 2001
10. उपाध्याय आचार्य बलदेव- "संस्कृत साहित्य का इतिहास", शारदा निकेतन, वाराणसी 1970
11. मुसलगांवकर राजेश्वर शास्त्री- "नीतिशतकम्" चैखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी 2014
12. मिश्र आचार्य रामचन्द्र- "संस्कृत साहित्य का इतिहास", चौखंभा, सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
13. झा तारिणीश- "रघुवंशम् प्रथम सर्ग", प्रकाशन केन्द्र लखनऊ

अनुशंसित डिजिटल प्लेटफॉर्म वेब लिंक- ई-सोर्सेस, ईपीजी पाठशाला संस्कृत, ई-पुस्तकालय संस्कृत, विकीपीडिया, ज्ञानगंगा, केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान मैसूर, swayam.gov.in

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठ्यक्रम:- शास्त्री

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत केन्द्रीय विश्वविद्यालय नई दिल्ली, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तिरुपति, IGNOU BAG (Sanskrit) Study Material, B.A. Sanskrit Kota Vishwavidyalaya, Kota

भाग द - अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां: लिखित परीक्षा, सतत आन्तरिक मूल्यांकन, साक्षात्कार विधि, वाग्व्यवहार विधि, वस्तुनिष्ठ प्रश्न, लघुउत्तरीय प्रश्न निर्माण

अधिकतम अंक: 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 25 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 75

आंतरिक मूल्यांकन:	क्लास टेस्ट	15
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	असाइनमेंट/ प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	10
		कुल अंक :25
आकलन :	अनुभाग (अ): तीन अति लघु प्रश्न (प्रत्येक 50 शब्द)	03 x 03 = 09
विश्वविद्यालयीन परीक्षा:	अनुभाग (ब): चार लघु प्रश्न (प्रत्येक 200शब्द)	04 x 09 = 36
समय- 02.00 घंटे	अनुभाग (स): दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 500 शब्द)	02 x 15 = 30
		कुल अंक 75

कोई टिप्पणी/सुझाव:

7